Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding farmers protest-laid.

श्री विवेक नारायण शेजवलकर (ग्वालियर): सभापति महोदय, किसान नेताओं को कृषि कानूनों के खिलाफ जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने की अनुमति दिया जाना कोविड अनुरूप व्यवहार के अनुकूल नहीं है। झूठ और भ्रम के आधार पर चलाया जा रहा यह आंदोलन जनहित में नहीं है। हाल ही में संपन्न हुई अनाज की सरकारी खरीद में 18% रिकॉर्ड की वृद्धि हुई है। किसान अपने खेतों में पसीना बहाकर फसल का रिकॉर्ड उत्पादन कर रहे हैं, लेकिन वे कौन से लोग हैं जो हाईवे रोक कर जनता के लिए समस्या पैदा कर रहे हैं? वे किसान नहीं हो सकते। यह भी दुर्भाग्यपूर्ण है कि न्यायालय स्वयं संज्ञान लेकर कांवड यात्रा पर रोक लगा रहे हैं, प्रमुख त्यौहार ईद पर भी न्यायालय की नजर है, लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि यह तथाकथित किसान आंदोलन न्यायपालिका के संज्ञान में नहीं आया है।

सरकार को चाहिए कि स्वयं को किसानों का हितैषी बनाने वाले तथाकथित किसान नेताओं से सख्ती से पेश आए।